(ङ) इस मांग को पूरा करने में स्वदेशी रूप से उत्पादित उर्वरकों और आयातित उर्वरकों का प्रतिशत अलग-अलग कितना रहा है ; और

(च) क्या सरकार को वर्ष 1992-93 की तुलना में वर्ष 1993-94 में अधिक राजसहायता उपलब्ध करानी पड़ी है, यदि हां, तो कितनी ?

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुवर्डो फ्लेरो) : (क) फास्फेटिक उर्वरकों के उत्पादन और खपत को बढ़ाने के लिये 1993-94 के दौरान स्वदेशी डी. ए. पी. की बिक्री पर 1000/- रुपये की विशेष रियायत तथा कम्पलैक्स उर्वरकों तथा एस. एस. पी पर आनुपातिक रियायत दी गई थी ।

(ख) और (ग) जी, हां । नाइट्रोजन युक्त उर्वरकों की 1993-94 के दौरान उत्पादन में कमी मुख्यत: डी. ए. पी. तथा कप्पलैक्स उर्वरकों के माध्यम से नाइट्रोजन की कम उपलब्धि, गैस आपूर्ति पर प्रतिबंध तथा हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर कारपोरेशन लि० तथा फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इंडिया लि० के पुराने और रूग्ण एककों के घटिया निष्पादन के कारण थी । 1993-94 के दौरान फास्फेटिक उर्वरकों के उत्पादन में कमी 25-8-1992 से मूल्य अनियंत्रण के पश्चात् उनके मूल्यों में वृद्धि के परिणामस्वरूप कम उठान तथा सस्ते दरों पर आयातित डी. ए. पी. की उपलब्धि के कारण हुई ।

(घ) और (ङ) वर्ष 1993-94 के दौरान उर्वरकों की अनुमानित खपत, उत्पादन तथा आयात के ब्यौरे निम्न प्रकार हैं:-

(लाख टनों में)

उर्वरक पोषक	खपत	उत्पादन	आयात
नाइट्रोजन	89.86	72.31	15.88
फास्फेट	28.84	18.15	7.22
पोटाश	9.63	—	8.57
	128.33	90.46	31.67

1992-93 से आगे लाये गये भंडार भी 1993-94 के दौरान उपलब्ध थे ।

(च) जी, नहीं ।

Financial assistance for joint research in drug formulations

5835. SHRI V. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there has been a request from the Indian drug industry for financial assistance to conduct joint research in drug formulation;

(b) if so, the details thereof; and

(c) what are the steps proposed to ensure that the drug prices remain within the reach of common man?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) to (c) The various aspects of the pharmaceutical industry, including strengthening of Research and Development and control of prices are subject matters of the review of the Drug Policy, 1986.